



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 38]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 29, 2010/माघ 9, 1931

No. 38]

NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 29, 2010/MAGHA 9, 1931

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 जनवरी, 2010

प्रारंभिक जांच परिणाम

विषय : चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित कुमेरिन के आयात से संबंधित पाटनरोधी जांच।

फा. सं. 14/17/2009-डीजीएडी. समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात् अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, पाटनरोधी शुल्क का निर्धारण एवं वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियम (जिसे एतदपश्चात् पाटनरोधी नियम कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए।

क. प्रक्रिया :

2. निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है :

(i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है), को उपर्युक्त नियमों के अंतर्गत मै. एटलस फाइन कैमिकल्स प्रा. लि., नासिक, महाराष्ट्र से घरेलू उद्योग की ओर से एक लिखित आवेदन प्राप्त हुआ है, जिसमें चीन जन. गण. (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सभी किस्म के कुमेरिन (जिसे एतदपश्चात् मंबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया है।

(ii) इस आवेदन के प्रारंभिक जांच से कठिपय खामियों का पता लगा है, जिन्हें आवेदक द्वारा तत्पश्चात् सुधारा गया है। अतः इस आवेदन को उचित ढंग से अविलेखित माना गया था।

(iii) प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा इस जांच की शुरूआत को न्यायोचित ठहराने के लिए प्रस्तुत किए गए पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर सम्बद्ध देश से सम्बद्ध वस्तु के आयातों के विशुद्ध

जांच शुरू करने का निर्णय लिया । प्राधिकारी ने भारत में स्थित संबद्ध देश के दूतावास को पाटनरोधी नियम के उप नियम 5(5) के अनुसार इस जांच की शुरूआत की कार्रवाई से पहले पाटन के आरोप की प्राप्ति की सूचना दी थी ।

(iv) प्राधिकारी ने दिनांक 10 जुलाई, 2009 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की थी, जिसके तहत संबद्ध वस्तु के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच की शुरूआत की गई थी और इसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया था ।

(v) प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की एक-एक प्रति सभी ज्ञात निर्यातकों (जिनके ब्यौरे आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) और ओद्योगिक एसोसिएशनों को भेजी थी और उन्हें पाटनरोधी नियम के नियम 6(2) के अनुसार लिखित में उनके विचारों से अवगत कराने का अवसर दिया गया था ।

(vi) प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की एक-एक प्रति भारत में संबद्ध वस्तु के सभी इतात आयातकों को भी भेजी थी और उन्हें इस पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने की सलाह दी थी ।

(vii) वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस) से पिछले तीन वर्षों और जांच अवधि के दौरान भारत में हुए संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरों की व्यवस्था करने का अनुरोध किया गया था । डी जी सी आई एंड एस से प्राप्त सूचना का विश्लेषण किया गया था और आई बी आई एस (द्वितीयक स्रोत) से प्राप्त सूचना के साथ उसकी तुलना की गई थी ।

(viii) प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियम के नियम 6(3) के अनुसार ज्ञात निर्यातकों और भारत स्थित संबद्ध देश के दूतावास को आवेदन के अगोपनीय अंश की एक-एक प्रति उपलब्ध कराई थी । आवेदन की प्रति अन्य हितबद्ध पक्षकारों को भी अनुरोध करने पर उपलब्ध कराई गई थी ।

(ix) प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियम के नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देश के निम्नलिखित इतात निर्यातकों से संगत सूचना मंगाने के लिए प्रश्नावलियां भेजी थीं । :

1. तियानजिन सिटी नं. 3, कैमिकल रीजेंट फैक्ट्री, जुझुआंगजीसियांग, डोंगली डिस्ट्रिक्ट, तियानजिन- 300240
2. नानजिंग हुआफा कैमिकल कंपनी लि., मीसान, झोंगझुआमेनवाई, जियांगनिंग

काउंटी नानजिंग सिटी, जियांगसू - 210039

3. चांगझू नं.2 कैमिकल प्लांट, सोला, चांगकी रोड, कीसुआन चांगझू सिटी,
जियांगसू-213003

4. डूमेन काउंटी बाइसिफा कैमिकल फैक्ट्री कं. लि., डूमेन टाउन, डूमेन काउंटी,
झूहाई सिटी गुआंगडोंग-519

x. जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना के उत्तर में चीन के निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों ने जवाब दिया है:

(क) यिंघाई (कुंगझू) एरोमा कैमिकल कं. लि.

(ख) मै.जियानगिन बाईहुई फ्रेगरेंस कं. लि.

xi. पाटनरोधी नियम के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को प्रश्नावली भेजी गई थी:

1. पद्मिनी प्रोडक्ट्स
2. इस्टर्न इंटरप्राइजेज
3. इंदिरा एजेंसीज
4. विनारोम प्रा. लि.
5. भारत इंडस्ट्रियल कार्पोरेशन
6. फ्लोर फ्रेगरेंश प्रा.लि.
7. ईस्टर्न एजेंसीज
8. पी बी एस फ्रेगरेंशेज.
9. प्राइमल मंदिर
10. तुषार इंटरप्राइजेज
11. कर्नाटक शॉप्स एंड कैमिकल
12. क्वार फ्रेगरेंसेज प्रा.लि.
13. गोपाल इंटरप्राइजेज
14. वासु अगरबत्ती
15. गुप्ता एंड कंपनी
16. शालीमार अगरबत्ती
17. ओवरसीज इम्पैक्स
18. एसोसिएट एलाइट कैमिकल इंडस्ट्रीज
19. साचे एरोमेटिक्स

20. महाले इम्पैक्स

xii. किसी भी आयातक या उपभोक्ता ने प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है ।

xiii. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश को हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षण हेतु एक सार्वजनिक फाइल के रूप में खुला रखा था । हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना की उनकी गोपनीयता की सत्यता के संबंध में जांच की गई थी । गोपनीयता से संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने गोपनीयता के दावों को जहां आवश्यक समझा, स्वीकार किया और ऐसी सूचना को गोपनीय माना गया है और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को इसका खुलासा नहीं किया गया है । जहां कहीं भी संभव हो, गोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना के पर्याप्त अगोपनीय अंश उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था ।

xiv. आवेदक और अन्य घरेलू उत्पादकों से भी सूचना मांगी गई थी । घरेलू उद्योग द्वारा सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जी ए ए पी) के आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन लागत और उसे बनाने और बेचने की लागत की दृष्टि से क्षतिरहित कीमत ज्ञात की गई थी ताकि यह तय किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम का पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा ;

xv. यह जांच 1 जनवरी, 2008 से शुरू होकर 31 दिसंबर, 2008 (जांच अवधि) के दौरान की गई थी । क्षति विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जांच में 2005-06, 2006-07, 2007-08, और जांच अवधि शामिल रही थी ।

xvi. इस अधिसूचना में *** चिन्ह हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना और पाटनरोधी नियमावली के अनुसार प्राधिकारी द्वारा गोपनीय मानी गई सूचना को दर्शाता है ।

ख. विचाराधीन उत्पाद और घरेलू समान वस्तु

ख.1

विचाराधीन उत्पाद

3. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद सभी किस्मों के कुमेरिन (जिन्हें एतद् पश्यात् "संबद्ध वस्तु" कहा गया है) हैं । कुमेरिन (रासायनिक सूत्र C9H6 O2) रसायनों के लेक्टोन परिवार से संबद्ध रखता है । यह एक सुगंधित रसायन है, जो सफेद क्रिस्टल, फ्लेक या पाउडर रूप

में हो सकता है। इसमें ताजी काटी हुई फूस की विशेष महक होती है जो बनीला के समान मिश्रित किस्म की सुगन्ध होती है। कुमेरिन का उपयोग सुगंधित यौगिकों को तैयार करने में किया जाता है और इन सुगंधित यौगिकों का प्रयोग साबुन, डिटर्जेंट, सौंदर्य प्रसाधन, अगरबत्तियों और अन्य सुगन्धों के उत्पादन में किया जाता है। यह खुशनुमा सुगन्ध देता है और अनेक अन्य घरेलू और आद्योगिक उत्पादों की अवांछित दुर्गन्ध को रोकता है। कुमेरिन जो मूल रूप से टॉका के बीजों से प्राप्त एक प्राकृतिक उत्पाद है, को अब कृत्रिम रूप से भी उत्पादित किया जाता है। इसे दो कृत्रिम प्रक्रियाओं से प्राप्त किया जा सकता है अर्थात् (i) सालीसाइलाडेहाइड प्राप्त करने के लिए फेनोल से शुरू होकर तत्पश्चात परकिन की प्रतिक्रिया और (ii) ऑर्थो-क्रेसोल से शुरू होने वाली प्रक्रिया, जिसे रेस्चिंग पद्धति भी कहा जाता है तथा जिसमें ऑर्थो-क्रेसोल से सालीसाइलाडेहाइड बनाया जाता है और तत्पश्चात उसे कुमेरिन में परिवर्तित किया जाता है। दोनों ही प्रक्रियाओं में सालीसाइलाडेहाइड और एसेटिन एनहाइड्राइड उत्प्रेरक के रूप में ऐसेटिक अम्ल में सॉडियम एसिटेट की मौजूदगी में प्रतिक्रिया करते हैं और अपरिष्कृत कुमेरिन को डिस्टीलेशन के द्वारा एसिटिक ऐसिड से अलग किया जाता है। अपरिष्कृत कुमेरिन को आगे अनेक डिस्टीलेशन के द्वारा परिशुद्ध किया जाता है और फिर मेथीनोल में क्रिस्टलाइज किया जाता है। क्रिस्टलीकृत उत्पाद को अपकेन्द्रीय प्रक्रिया द्वारा अलग किया जाता है और सुखाया जाता है। कुमेरिन का प्रमुख भौतिक विनिर्देशन उसकी शुद्धता होती है, जिसके लिए गलनांक बिन्दु संकेतक होता है।

4. इस उत्पाद को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 29 के अंतर्गत सीमाशुल्क उपशीर्ष सं. 2932.21.00 के तहत वर्गीकृत किया जाता है। तथापि, सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और और इस जांच के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।

ख.2

समान वस्तु

5. समान वस्तु के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में निम्नानुसार प्रावधान है:

"समान वस्तु" का अर्थ एक ऐसी वस्तु है जो भारत में पाटन के लिए जांच के अधीन वस्तु के समान हो या प्रत्येक दृष्टि से उसके जैसी हो अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में कोई अन्य ऐसी वस्तु जो यद्यपि प्रत्येक दृष्टि से समान न हो तब भी उसमें जांचाधीन वस्तु से अत्यधिक मिलती-जुलती विशेषताएँ हो;

6. आवेदक ने दावा किया है कि आवेदक के उत्पाद और संबद्ध देश से निर्यातित संबद्ध वस्तु के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है और ये भौतिक और रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्य और उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत निर्धारण, वितरण और विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं की दृष्टि से तुलनीय हैं और आवेदक द्वारा उत्पादित तथा संबद्ध देश से निर्यातित संबद्ध उत्पाद के बीच कोई खास अंतर

नहीं है और ये दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुओं को पाटनरोधी नियमावली के अनुसार संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तुओं के समान वस्तु माना जा रहा है।

7. इस स्तर पर उपलब्ध सूचना यह नहीं दर्शाती है कि घरेलू समान वस्तु और आयातित संबद्ध वस्तु के बीच कोई भौतिक अंतर है। किसी भी प्रतिवादी पक्षकार ने इस दावे पर प्रश्न नहीं उठाया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु चीन से आयातित वस्तु के समान वस्तु है। इस प्रकार घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु को वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ पाटनरोधी नियमावली के अनुसार संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु के समान वस्तु माना जा रहा है।

ग. घरेलू उद्योग का कार्यक्षेत्र और उसकी स्थिति

8. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है:

"घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के नियतिकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में ऐसे उत्पादकों को घरेलू उद्योग का भाग नहीं माना जाएगा।

9. यह आवेदन घरेलू उद्योग के रूप में मै. एटलस फाइन कैमिकल्स प्रा.लि. द्वारा दायर किया गया है। आवेदक ने यह दावा किया है कि भारत में संबद्ध वस्तु के दो अन्य उत्पादक हैं, तथापि इन दोनों ने अपना वाणिज्यिक उत्पादन बंद कर दिया है और तदनुसार प्रस्तावित जांच अधिक के दौरान आवेदक का कुल भारतीय उत्पादन में 100% हिस्सा बनता है। किसी भी प्रतिवादी पक्षकार ने इस दावे को विवादित नहीं ठहराया है।

10. प्राधिकारी मानते हैं कि एटलस फाइन कैमिकल्स प्रा.लि. भारत में समान वस्तु का एकमात्र उत्पादक है। आवेदक ने क्षति और लागत निर्धारण संबंधी सूचना प्रस्तुत की है। प्राधिकारी ने यह निर्धारित किया है कि आवेदक पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) और नियम 5(3) की अपेक्षाओं को पूरा करता है। इसके अलावा, मै. एटलस फाइन कैमिकल्स प्रा.लि. को पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर "घरेलू उद्योग" माना जा रहा है।

घ. पाटन मार्जिन

घ.1 सामान्य मूल्य

11. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पिछले तीन वर्षों में डब्ल्यू टी ओ के अन्य सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जांच में चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है।

अतः पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(2) के अनुसार प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ उपर्युक्त नियमावली के अनुसार चीन जन.गण. को निर्यातक देश अथवा अलग-अलग निर्यातकों द्वारा उपर्युक्त मान्यता के खंडन के अधीन एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है।

12. यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-I के पैराग्राफ 8 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी मान्यता का खंडन किया जा सकता है यदि चीन के निर्यातक पैराग्राफ 8 में उप-पैराग्राफ (3) में विनिर्दिष्ट मापदंडों के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराएं और इसके विपरीत तथ्यों को सिद्ध करें। चीन जन.गण. के संबद्ध वस्तु के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार संबंधी प्रश्नावली के उत्तर में पैराग्राफ 8 के उप पैराग्राफ (3) में यथाउल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करने होंगे ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मापदंडों पर विचार करें कि क्या:-

- क. चीन जन.गण. की संबंधित फर्मों के कीमत, लागत और निविष्टियों, कच्ची सामग्री, प्रौद्योगिकी और श्रम की लागत, उत्पादन, बिक्री और निवेश संबंधी निर्णय पूर्ति और मांग को दर्शाने वाले बाजार के संकेतकों की प्रतिक्रियास्वरूप लिए जाते हैं और जिनमें इस संबंध में राज्य का कोई खास हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत बाजार मूल्यों को पर्याप्त रूप से दर्शाती है;
- ख. ऐसी फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति विशेष रूप से परिसंपत्तियों के मूल्यहास, अन्य बट्टेखातों, वस्तु विनिमय व्यापार और ऋणों की क्षतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संबंध में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से हुई भारी विकृतियों के अधीन है;
- ग. ऐसी फर्मों दिवालियापन और संपत्ति संबंधी कानूनों के अधीन है जो फर्मों की विधिक निश्चितता और प्रचालन की स्थिरता की गारंटी देते हैं।
- घ. विनिमय दर परिवर्तन बाजार की दर के आधार पर किए जाते हैं।

13. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन.गण. के संबद्ध वस्तु के प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों ने प्राधिकारी द्वारा जारी की गई जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना के परिणामस्वरूप प्रश्नावली के अपने उत्तर और बाजार अर्थव्यवस्था प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं और गैर-बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी मान्यता का खंडन किया है। प्रतिवादी उत्पादकों और निर्यातकों के प्रश्नावली के उत्तरों और बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी उत्तरों की संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों के समान्य मूल्य के निर्धारण के लिए जांच की गई है जो निम्नानुसार है :-

चीन जन.गण. के केवल निम्नलिखित दो उत्पादकों ने उत्तर दिया है और अपने जवाब प्रस्तुत किए हैं :

1. मै.जियानगिन बाईहुई फ्रेगरेंस कं. लि.
2. यिंघाई (कांगड़ा) एरोमा कैमिकल कं. लि.

मै.जियानगिन बाईहुई फ्रेगरेंस कं. लि.

14. मै.जियानगिन बाईहुई फ्रेगरेंस कं. लि. चीन जन.गण. ने संबद्ध वस्तु के उत्पादक और निर्यातक के रूप में इस मामले में प्रश्नावली का उत्तर और बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी उत्तर प्रस्तुत किया है। प्रश्नावली के उत्तर से यह नोट किया जाता है कि संबद्ध उत्पादक और निर्यातक के पास पर्याप्त घरेलू बिक्रियां हैं और उन्होंने भारत को अपनी बिक्रियां और अन्य देशों को निर्यात बिक्रियां संबंधी ब्यौरे उपलब्ध कराए हैं। इस कंपनी के उत्तर की जांच की गई थी और कंपनी को एक पत्र जारी किया गया था, जिसमें कंपनी से कतिपय अतिरिक्त सूचना/स्पष्टीकरण देने का अनुरोध किया गया था। उक्त पत्र में प्रतिवादी कंपनी से अन्य बातों के साथ-साथ कंपनी की स्थापना की तारीख और व्यवसायिक लाइसेंस की तारीख के संबंध में उनके उत्तर में पाई गई कमियों संबंधी सूचना के लिए कहा गया था। उनसे यह भी कहा गया था कि वे इस बात को साबित करें और उन फर्मों के ब्यौरे उपलब्ध कराएं जिनसे यह उत्पादक और निर्यातक कच्ची सामग्री की खरीद कर रहे हैं क्योंकि यह नोट किया गया था कि काफी कच्ची सामग्रियां राज्य के स्वामित्व वाली फर्मों से खरीदीं जा रही थीं। निर्यातक प्रश्नावली के जवाब में यह भी कहा गया था कि विभिन्न परिशिष्टों में ज्ञात किए गए लाभ के अंतर को भी स्पष्ट किया जाए। निर्यातक को यह भी सूचित किया गया था कि विभिन्न परिशिष्टों में दर्शायी गई कच्ची सामग्री की खपत एक-दूसरे से अलग-अलग है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातक प्रश्नावली से संबंधित ऐसे अनेक मुद्दे हैं, जिनकी विस्तृत जांच और सत्यापन की जरूरत है।

15. स्वामित्व और नियंत्रण, कंपनी की लागत और कीमतों तथा व्यावसायिक निर्णयों पर इसके प्रभाव और तत्संबंधी सत्यापन समेत उपर्युक्त मुद्दों की जांच किए जाने तक प्राधिकारी का यह विचार है कि चीन जन.गण. के इस उत्पादक-निर्यातक को उसके सामान्य मूल्य के प्रारंभिक निर्धारण हेतु बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया जा सकता है।

यिंघाई (कांगड़ा) एरोमा कैमिकल कं. लि.

16. मै. यिंघाई ने संबद्ध वस्तु के एक उत्पादक और निर्यातक के रूप में प्रश्नावली का उत्तर और बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार संबंधी उत्तर प्रस्तुत किया है। प्रश्नावली के उत्तर से यह

नोट किया जाता है कि संबद्ध उत्पादक और निर्यातक के पास पर्याप्त घरेलू बिक्रियां हैं और उन्होंने भारत तथा अन्य देशों को अपनी बिक्रियों संबंधी व्यौरे भी उपलब्ध कराए हैं। कंपनी के उत्तर की जांच की गई थी और कंपनी को एक पत्र जारी किया गया था जिसमें कंपनी से कठिपय अतिरिक्त सूचना/स्पष्टीकरण मांगा गया था। उक्त पत्र में प्रतिवादी कंपनी से अन्य बातों के साथ-साथ इस तथ्य संबंधी सूचना उपलब्ध कराने के लिए कहा गया था कि परिशिष्ट-8 समग्र जांच अवधि के लिए निर्धारित प्रारूप में नहीं दिया गया है। विभिन्न अन्य प्रश्न जैसे विभिन्न परिशिष्टों में कच्ची सामग्री की अलग-अलग खपत दर्शाए जाने को निर्यातक के समक्ष प्रदर्शित किया गया है। इसके अलावा, निर्यातक से विचाराधीन उत्पाद और अन्य उत्पादों के बीच उनके व्ययों के आवंटन के आधार को अपने उत्तर में प्रस्तुत करने के लिए भी कहा गया है।

जहां तक स्वामित्व का संबंध है, यह नोट किया गया था कि इस कंपनी को कनाडा आधारित एक कंपनी के साथ संयुक्त उद्यम के रूप में मई, 2005 में स्थापित किया गया था और जनवरी, 2008 में यह एक कनाडा आधारित कंपनी बन गई। इसके अलावा यह उल्लेख किया गया था कि इस कंपनी का अधिग्रहण कनाडा आधारित कंपनी द्वारा कर लिया गया था और जांच अवधि के दौरान कनाडा आधारित कंपनी के पास इस कंपनी के सभी शेयर थे। तथापि, यह बात बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार संबंधी प्रश्नावली के बिल्कुल विपरीत है जिसमें यह कहा गया है कि 2008 की स्थिति के अनुसार चीन की कंपनी के पास तब भी 80% शेयर थे।

17. इस प्रकार, जैसा ऊपर बताया गया है, बाजार अर्थव्यवस्था के निर्धारण तथा इस उत्पादक के संबंध में निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर में दिए गए ऐसे अनेक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जिनमें आगे जांच और सत्यापन किए जाने की जरूरत है। अतः प्रतिवादी निर्यातक और उत्पादक द्वारा उनके बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी दावों और अलग व्यवहार संबंधी दावों के संबंध में किए गए दावों की आगे जांच और सत्यापन होने तक प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध-I के पैरा-7 के आधार पर चीन जन.गण. में सामान्य मूल्य का अनंतिम रूप से अनुमान लगाया है।

18. इस संबंध में नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 में निम्नानुसार प्रावधान है :

गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी समुचित आधार पर किया जाएगा, जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदर्भ अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिसमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी शामिल की जाएगी। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे समुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगत उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा। जहां उचित हो उचित समयसीमा के

भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में की गई जांच पर भी ध्यान दिया जाएगा। जांच से संबंधित पक्षों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से चयन के बारे में बिना किसी अनुचित विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित अवधि प्रदान की जाएगी।

19. प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना में किसी उचित देश की ओर संकेत नहीं किया था। तथापि, किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने प्राधिकारी के समक्ष उपर्युक्त प्रयोजनार्थ बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी उचित तीसरे देश के रूप में विचार करने के लिए किसी देश के बारे में कोई जानकारी प्रस्तुत नहीं की है। तथापि, प्राधिकारी बाजार अर्थव्यवस्था वाले उचित तीसरे देश के चयन के लिए सभी हितबद्ध पक्षकारों से टिप्पणियां और कारण तथा अनंतिम निर्धारण के प्रयोजनार्थ सामान्य मूल्य निर्धारित करने के लिए ऐसे देश में उत्पादकों की सूची संबंधी सूचना आमंत्रित करते हैं।

20. प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ इन मुद्दों की आगे जांच किए जाने तक प्राधिकारी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के दूसरे परंतुक के अनुसार किसी तर्कसंगत आधार पर चीन जन.गण. में सामान्य मूल्य के अनंतिम रूप से निर्धारण की कार्रवाई करते हैं। तदनुसार चीन के इन सभी निर्यातकों के विचाराधीन उत्पाद का कारखानागत सामान्य मूल्य उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अनंतिम रूप से परिकलित किया गया है। सामान्य मूल्य का परिकलन सभी प्रमुख निविष्टियों की यथासूचीबद्ध उपलब्ध अंतर्राष्ट्रीय कीमत और परिवर्तन लागत को ध्यान में रखते हुए किया गया है तथा घरेलू उद्योग के एस जी ए खर्चों को भी सामान्य मूल्य के निर्धारण में प्रयोग किया गया है। 5% का एक तर्कसंगत लाभ मार्जिन जोड़ने के बाद चीन जन.गण. से सभी निर्यातकों के लिए संबद्ध वस्तु का परिकलित सामान्य मूल्य ज्ञात किया गया है।

घ.2. चीन जन.गण. के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण.

21. प्राधिकारी ने रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों के अनुसार प्रतिवादी निर्यातकों से इतर निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत निर्धारित की है। अतः प्राधिकारी ने रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर चीन जन.गण. के सभी गैर-प्रतिवादी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए निर्यात कीमत अनंतिम रूप से निर्धारित की है। प्रतिवादी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का अनंतिम निर्धारण उनकी परिशिष्ट-वार सूचना और उनके द्वारा दावा किए गए सभी समायोजनों के आधार पर भारत को उनकी कीमतों पर विचार करने के बाद किया गया है। अन्य निर्यातकों के लिए निवल निर्यात कीमत को समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, कमीशन, अंतरदेशीय भाड़े, पत्तन प्रभार और बैंक के कमीशन के लिए समायोजित किया गया है, यह समायोजन इन निर्यातकों द्वारा अनंतिम आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना के अनुसार किया गया है जो अनंतिम जांच परिणामों के बाद सत्यापन के अधीन है।

घ.3. पाटन मार्जिन का निर्धारण

22. ऊपर यथा निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए पाटन मार्जिन निम्नानुसार बनता है :

	इकाई	बाईहुई	यिघाई	अन्य
सामान्य मूल्य	अम.डॉ./कि.ग्रा.	****	****	****
निवल निर्यात कीमत	अम.डॉ./कि.ग्रा.	****	****	****
पाटन मार्जिन	अम.डॉ./कि.ग्रा.	****	****	****
पाटन मार्जिन	%	3.46	9.23	28.14

23. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीनजन.गण. से पाटन मार्जिन काफी अधिक है और निर्धारित न्यूनतम सीमाओं से अधिक है ।

उ. क्षति

उ.1. घरेलू उद्योग के अनुरोध

24. घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि:

- (i) बढ़े हुए आयातों के कारण कार्य निष्पादन की स्थिति घरेलू बिक्रियों, उत्पादन, क्षमता उपयोग, उत्पादकता, माल सूची, बाजार हिस्से, लाभ, निवेशों पर आय, नकद प्रवाह आदि की दृष्टि से खराब हुई है ।
- (ii) देश में उत्पाद की मांग में सकारात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है जबकि इसी समय घरेलू उद्योग की बिक्रियों में नकारात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है । इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा घटा है ।
- (iii) चीन जन.गण. से पाटित आयातों की मात्रा में क्षति अवधि के दौरान समग्र रूप से काफी अधिक वृद्धि हुई है ।
- (iv) आयातों में भारत में कुल आयातों, उत्पादन और खपत की दृष्टि से भारी वृद्धि हुई है ।
- (v) समग्र रूप से और उत्पादन तथा खपत की दृष्टि से आयातों में वृद्धि के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई है ।
- (vi) इसे अलावा, घरेलू उद्योग की निर्यात मात्राओं में लगातार गिरावट प्रदर्शित हुई है जिससे विश्व बाजार में चीन की पाटित वस्तुओं का काफी अधिक बाजार हिस्सा प्रदर्शित होता है ।

- (vii) भारित औसत आयात कीमत (मूल सीमाशुल्क शामिल करने के बाद) घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से काफी कम रही है। इस प्रकार इसके परिणामस्वरूप भारी कीमत कटौती हुई है।
- (viii) सीमाशुल्क और पाटित सीआईएफ कीमत दोनों के कारण आयातों की पहुंच कीमत में काफी गिरावट हुई है। इससे घरेलू उद्योग पर प्रत्यक्ष प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। आयातों की पहुंच कीमत में गिरावट के कारण भारतीय उत्पादक कीमत में विधिसम्मत वृद्धि नहीं कर सके हैं।
- (ix) आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत से काफी कम है। यह भी देखा जाता है कि आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों पर भारी न्यूनकारी प्रभाव पड़ा है।
- (x) घरेलू उद्योग के उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्रियों में समग्र और सापेक्षिक दोनों दृष्टियों से गिरावट आई है।
- (xi) विचाराधीन उत्पाद हेतु घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में क्षति अवधि और वर्ष 2006-07 के बाद से विकृति आई है। घरेलू उद्योग को भारी घाटे उठाने पड़ रहे हैं।
- (xii) घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में जबरदस्त गिरावट आई है जबकि आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है।
- (xiii) यह देखा जाता है कि उत्पादन में गिरावट के साथ घरेलू उद्योग की उत्पादकता में भी कमी आई है।
- (xiv) घरेलू उद्योग के निवेश पर आय (एन एफ ए आधार) में क्षति अवधि के दौरान भारी विकृति आई है। नकद लाभ की भी स्थिति ऐसी ही है। इससे स्पष्ट रूप से चीन जन.गण. से पाटित आयातों का कीमत ह्रासकारी और न्यूनकारी प्रभाव परिलक्षित होता है, जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को भारी घाटा उठाना पड़ा है।
- (xv) माल सूचियों के स्तर में भारी वृद्धि हुई है, जिससे यह संकेत मिलता है कि जांच अवधि के दौरान क्षमता उपयोग केवल 43% के स्तर पर भी मालसूचियों में भारी वृद्धि हुई है।
- (xvi) यह देखा गया है कि बिक्रियों, उत्पादन, क्षमता उपयोग की दृष्टि से वृद्धि नकारात्मक रही है। नकद लाभों, लाभों, निवेश पर आय की स्थिति भी क्षति अवधि के दौरान इसी प्रकार की रही है।
- (xvii) संबद्ध देश से पाटन मार्जिन न केवल न्यूनतम सीमा से अधिक है बल्कि काफी अधिक है। घरेलू उद्योग पर पाटन का प्रभाव अत्यधिक है और यह धीरे-धीरे और तेज हो रहा है।

उ.2. अन्य हितबद्ध पक्षकारों से प्रतिक्रिया

25. यह नोट किया गया है कि इस जांच में किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार द्वारा कोई उत्तर नहीं दिया गया है।

उ.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

26. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों को नोट किया है। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में इन दोनों की वस्तुनिष्ठ जांच की व्यवस्था है, (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पाद के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव

और (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातकों के परिणामी प्रभाव। पाटित आयातों की मात्रात्मक प्रभाव की जांच करते समय उक्त प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है। जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।

27. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (iv) में निम्नानुसार प्रावधान है :

"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले समस्त संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों; घरेलू कीमत, पाटन मार्जिन की मात्रा को प्रभावित करने वाले कारकों; नकद प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित ऋणात्मक प्रभावों का मूल्यांकन शामिल होगा।"

28. वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएडएस) से पिछले तीन वर्षों और जांच अवधि के दौरान भारत में किए गए संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरों की व्यवस्था करने का अनुरोध किया गया था। डी जी सी आई एड एस से प्राप्त सूचना का विश्लेषण किया गया और उसकी तुलना आई बी आई एस (द्वितीयक स्रोत) से प्राप्त सूचना के साथ की गई थी। घरेलू उद्योग द्वारा साक्ष्यों सहित यह दावा किया गया था कि संबद्ध वस्तु का आयात एक से अधिक शीर्षों के अंतर्गत किया गया है और इस प्रकार आई बी आई एस से प्राप्त सूचना पर विचार किया जाना चाहिए क्योंकि उसमें अधिक मात्राएं दिखाई गई हैं। विस्तृत जांच के बाद यह निर्णय लिया गया कि आई बी आई एस से प्राप्त सूचना पर विचार किया जाए क्योंकि उसमें अधिक मात्राएं दर्शायी गयी थीं।

प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के तथ्यों और तर्कों पर वस्तुनिष्ठ ढंग से विचार करके क्षति संबंधी मापदंडों की जांच की है।

आयात, मांग, मात्रा तथा बाजार हिस्सा:-

29. देश में इस उत्पाद की मांग का आकलन घरेलू उत्पादकों की घरेलू बिक्रियों और सभी स्रोतों से आयातों को जोड़कर किया गया है।

आयात विवरण

30. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों में क्षति अवधि के दौरान समग्र रूप से भारी वृद्धि हुई है। इसके अलावा संबद्ध देश का बाजार हिस्सा इसी अवधि के दौरान काफी अधिक बढ़ गया है जैसा कि निम्नांकित तालिका में दर्शाया गया है :-

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि
आयात	मी.ट.	188.25	194.10	219.50	251.36
चीन जन.गण.	मी.ट.	149.85	158.65	204.05	219.45
अन्य देश	मी.ट.	38.40	35.45	15.45	31.91
आयातों में बाजार हिस्सा	%	100.00	100.00	100.00	100.00
चीन	%	79.60	81.74	92.96	87.31
अन्य देश	%	20.40	18.26	7.04	12.69

मांग विवरण

31. विचाराधीन उत्पाद की मांग में संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है और क्षति अवधि के दौरान इसमें 17% तक वृद्धि हुई है। इसके अलावा, संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों में इसी अवधि के दौरान समग्र रूप से वृद्धि हुई है। यह भी नोट किया जाता है कि पाटित आयातों में यह वृद्धि मांग में हुई वृद्धि से अधिक थी।

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि
कुल आयात	मी.ट.	188.25	194.10	219.50	251.36
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी.ट.	62.97	63.37	58.93	42.19
मांग	मी.ट.	251.22	257.47	278.43	293.55
मांग सूचकांक		100	102.49	110.83	116.85

विभिन्न मापदंडों के संबंध में आयात

32. यह भी नोट किया जाता है कि विचाराधीन उत्पाद के पाटित आयातों में क्षति अवधि के दौरान भारत में समान उत्पाद के उत्पादन की दृष्टि से वृद्धि हुई है। इसके अलावा, इनमें मांग में हिस्से और याचिकाकर्ता की बिक्रियों की दृष्टि से भी वृद्धि हुई है।

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि
निम्नलिखित के संबंध में पाठित आयात					
कुल आयातों में हिस्सा	%	79.60	81.74	92.96	87.31
मांग में हिस्सा	%	59.65	61.62	73.29	74.76
भारत में उत्पादन	%	57.85	90.54	112.40	128.91
याचिकाकर्ता की बिक्रियां	%	237.97	250.34	346.25	520.16

घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा

33. संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का इस वृद्धि के परिणामस्वरूप क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है।

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि
मांग में बाजार हिस्सा	%				
चीन से आयात	%	59.65	61.62	73.29	74.76
अन्य देशों से आयात	%	15.29	13.77	5.55	10.87
घरेलू उद्योग की बिक्री	%	25.07	24.61	21.17	14.37

34. इस प्रकार यह अनंतिम रूप से नोट किया जाता है कि विचाराधीन उत्पाद की मांग में संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है और इसमें क्षति अवधि के दौरान लगभग 17% तक की वृद्धि हुई है। इसके अलावा संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों में इसी अवधि के दौरान समग्र रूप से वृद्धि हुई है। यह भी नोट किया जाता है कि पाठित आयातों में हुई वृद्धि मांग में हुई वृद्धि से अधिक थी। यह भी नोट किया गया है कि आयातों में सामान्यतः विभिन्न लोटों से भारत में विचाराधीन उत्पाद के आयातों की दृष्टि से और विशेष रूप से संबद्ध देश से वृद्धि हुई है। यह भी नोट किया जाता है कि विचाराधीन उत्पाद के आयातों में भारत में समान उत्पाद के उत्पादन की दृष्टि से वृद्धि हुई है। इसके अलावा, संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों में इस वृद्धि के परिणामस्वरूप क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है। इस प्रकार अनंतिम रूप से यह निर्धारित किया जाता है कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देश से पाठित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव के कारण भारी घाटा उठाना पड़ा है।

आयातों का कीमत प्रभाव

35. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में इस बात की जांच की गई है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में भारी कीमत कटौती की गई है या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों में काफी अधिक कमी करना है या ऐसी कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा महत्वपूर्ण स्तर तक बढ़ गई होती। संबंधित उत्पाद के लिए निर्धारित उत्पाद के पहुंच मूल्य और घरेलू बाजार के लिए घरेलू उद्योग की औसत बिक्री कीमत के बीच तुलना की गई है जिसमें सभी छूटों और करों को व्यापार के समान स्तर पर निवल रूप में शामिल किया गया है। घरेलू उद्योग की कीमतों को कारखाना द्वारा स्तर पर निर्धारित किया गया था। संबंधित संबद्ध देश की सी आई एफ कीमतों को आयात के बाद लागू शुल्कों हेतु समायोजित किया गया था। इस तुलना से पता चलता है कि जांच अवधि के दौरान चीन के मूल की संबद्ध वस्तु को भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों से कम कीमतों पर बेचा गया था। इस प्रकार यह देखा जाता है कि आयातों से घरेलू कीमतों में कटौती की जा रही थी। यद्यपि जांच अवधि के दौरान कीमत कटौती की मात्रा को अधिक नहीं माना गया है।

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि
पहुंच मूल्य	रु./किग्रा.	***	***	***	***
निवल बिक्री प्राप्ति	रु./किग्रा.	***	***	***	***
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	94	102	117
कीमत कटौती	रु./किग्रा.	***	***	***	***
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	23	88	38
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	% रेंज	10 to 15	1 to 5	10 to 15	1 to 5

36. प्राधिकारी ने संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग द्वारा उठाए गए कीमत न्यूनीकरण, कीमत हास और कम कीमत पर बिक्री, यदि कोई हो, की भी जांच की है। जांच के पश्चात यह निर्धारित किया गया है कि संबद्ध देश से आयातों का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत और क्षति रहित कीमत से काफी कम रहा है। इस प्रकार आयातों के कारण घरेलू उद्योग को कम कीमतों पर बिक्री का सामना करना पड़ रहा था। यह भी नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों में क्षति अवधि के दैरान वृद्धि हुई है परंतु यह वृद्धि घरेलू उद्योग द्वारा बेचे गए घरेलू समान उत्पाद की उत्पादन लागत में हुई वृद्धि से काफी कम है जिसके कारण कीमत हास हुआ है।

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जन.- दिसं. 08
बिक्री की लागत	रु./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	101	110	128
घरेलू बिक्री कीमत	रु./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	94	102	117

37. अतः इस प्रकार अनंतिम रूप से यह निर्धारित किया जाता है कि यद्यपि लागतों में 28% तक की वृद्धि हुई, तथापि घरेलू उद्योग अपनी बिक्री कीमतों में केवल 17% वृद्धि कर सका था। इस प्रकार यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग कीमत में विधिसम्मत वृद्धि कर पाने में सक्षम नहीं रहा है। इस प्रकार प्रारंभिक रूप से यह निष्कर्ष निकाला गया है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का प्रभाव प्रतिकूल और काफी अधिक रहा है।

ज.2. घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड

38. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में समान उत्पाद के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की वस्तुनिष्ठ जांच किया जाना शामिल होगा। नियमावली में आगे यह व्यवस्था है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में उद्योग की स्थिति पर प्रभाव छालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों का वस्तुनिष्ठ और निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होना चाहिए, जिसमें बिक्रियों, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में वास्तविक और संभावित गिरावट; घरेलू कीमतों पर प्रभाव छालने वाले कारक, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह या माल सूचियों, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूँजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव की जांच शामिल होगी। घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन की जांच से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति संबंधी मापदंडों पर नीचे चर्चा की गई है।

(I) उत्पादन

39. यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग के उत्पादन में क्षति अवधि के दौरान गिरावट आई है। यह नोट किया जाता है कि यद्यपि क्षति अवधि के दौरान उत्पाद की मांग में 17% की वृद्धि हुई, तथापि उत्पादन में 35% की गिरावट आई है।

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जन.- दिसं.
क्षमता	मी.ट.	400	400	400	400
उत्पादन	मी.ट.	259	175	182	170
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	68	70	66
मांग	मी.ट.	251	257	278	294
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	111	117
मांग का उत्पादन में %	%	103.11	68.06	65.20	57.99

(II) क्षमता तथा क्षमता उपयोग

40. यह भी नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की क्षमता और क्षमता उपयोग निम्नांकित तालिका के अनुसार घटे-बढ़े हैं। यह देखा गया है कि कंपनी द्वारा स्थापित क्षमता एक समान रही है। यह भी नोट किया गया है कि यांचिकाकर्ता विद्याराधीन उत्पाद के लिए समर्पित रूप से अपनी उत्पादन क्षमताओं का प्रयोग कर रहा है। यह नोट किया गया था कि यद्यपि क्षति अवधि के दौरान उत्पाद की मांग में वृद्धि हुई, परंतु उत्पादन में गिरावट के

कारण क्षमता उपयोग में गिरावट आई । यह भी नोट किया गया है कि क्षमता उपयोग में गिरावट उत्पादन में गिरावट के अनुक्रम में रही है । इस प्रकार यद्यपि उत्पाद की मांग में 17% की वृद्धि हुई है, तथापि क्षमता उपयोग में 34% की गिरावट आई है ।

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जन.- दिसं. 08
क्षमता	मी.ट.	400	400	400	400
उत्पादन	मी.ट.	259	175	182	170
क्षमता उपयोग	%	64.76	43.81	45.38	42.56
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	68	70	66
मांग	मी.ट.	251	257	278	294
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	111	117

(iii) घरेलू बिक्री

41. यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्रियों में क्षति अवधि के दौरान भारी गिरावट आई है । यह भी नोट किया गया है कि याचिकाकर्ता के पास कोई आबद्ध खपत नहीं है । तथापि, याचिकाकर्ता काफी निर्यात करता है । अतः पाटन के प्रभाव की जांच केवल घरेलू बिक्रियों के संदर्भ में की गई है ।

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जन.- दिसं. 08
घरेलू बिक्री	मी.ट.	63	63	59	42
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	94	67
मांग	मी.ट.	251	257	278	294
बिक्री में मांग का %	%	25.07	24.61	21.17	14.37
में परिवर्तन					
➤ घरेलू बिक्री	मी.ट.		0	-4	-17
➤ प्रवृत्ति	मी.ट.		6	21	16

(iv) लाभप्रदता

42. घरेलू समान उत्पाद के संबंध में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता की जांच केवल घरेलू बिक्रियों के संबंध में की गई है । यह देखा गया है कि संबद्ध वस्तु के लिए घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में क्षति अवधि के दौरान काफी विकृति आई है । घरेलू उद्योग को वर्ष 2006-

07 के बाद से काफी घाटा उठाना पड़ रहा है। इसके अलावा, क्षति अवधि के दौरान घाटों में वृद्धि हुई है।

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जन.- दिसं. 08
बिक्री की लागत	रु./किग्रा.	***	***	***	***
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	101	110	128
निवल बिक्री प्राप्ति	रु./किग्रा.	***	***	***	***
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	94	102	117
लाभ/हानि	रु./किग्रा.	***	***	***	***
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	(76)	(93)	(152)
कर पूर्व लाभ	लाख रुपए	***	***	***	***
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	(77)	(87)	(102)
कर पूर्व व्याज	लाख रुपए	***	***	***	***
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	(77)	(87)	(102)

(v) रोजगार तथा मजदूरी

43. घरेलू उद्योग का रोजगार और दी गई मजदूरी निम्नानुसार है :-

उत्पादकता	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जन. 08- दिसं. 08
रोजगार	सं.	***	***	***	***
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	84	72	67
मजदूरी	लाख रुपए	***	***	***	***
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	104	109	155

अनंतिम रूप से यह नोट किया गया है कि घरेलू बिक्रियों और उत्पादन में गिरावट और लगातार कम क्षमता उपयोग के कारण रोजगार पर काफी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

(vi) उत्पादकता

44. घरेलू उद्योग की उत्पादकता निम्नानुसार रही थी :-

उत्पादकता	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जन. 08- दिसं. 08
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी.ट.	4.54	3.65	4.43	4.48
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	80	97	99

यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता क्षति अवधि के दौरान लगभग समान स्तर पर बनी रही थी। इस प्रकार इस मापदंड को घरेलू उद्योग की क्षति के आंकलन के लिए संगत नहीं माना गया है।

(vii) निवेशों पर आय तथा नकद प्रवाह

45. निवेश पर आय का निर्धारण ब्याज पूर्व लाभ और उत्पाद में लगाई गई पूंजी पर विचार करके किया गया है। नकद प्रवाह पर प्रभाव का निर्धारण मूल्य हास से पूर्व लाभ परंतु ब्याज लागत के पश्चात किया गया है। यह नोट किया गया है कि लगाई गई पूंजी पर आय और नकद लाभों में क्षति अवधि के दौरान भारी कमी आई है। यह भी नोट किया गया है कि लाभ और लगाई गई पूंजी पर आय के संबंध में घरेलू उद्योग का निष्पादन और नकद लाभ इसी दिशा में रहे हैं और इन पर क्षति अवधि के दौरान काफी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जन.-दिसं. 08
नियोजित पूंजी पर आय	%	***	***	***	***
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	(28)	(36)	(58)
नकद लाभ	लाख रुपए	***	***	***	***
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	(47)	(50)	(71)

(viii) मालसूची

46. यह नोट किया गया है कि वर्ष 2006-07 से क्षति अवधि के बीच मालसूची के स्तर में काफी वृद्धि हुई है। यद्यपि, क्षति अवधि के दौरान इसमें समग्र रूप से गिरावट आई है। तथापि, क्षति अवधि के दौरान माल सूची में बिक्री के दिनों की संख्या के बराबर वृद्धि हुई है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि जांच अवधि के दौरान 40% क्षमता उपयोग के बावजूद घरेलू उद्योग सबद्ध वस्तुओं को पूरी तरह से बेचने में सक्षम नहीं रहा था। घरेलू उद्योग ने आगे यह तर्क दिया है कि मांग के मौजूदा स्तर, जहां घरेलू उद्योग आसानी से 100% संयंत्र उपयोग तक पहुंच सकता था, के बावजूद पाटित कीमतों पर

आयातों के कारण घरेलू उद्योग के उत्पादन और माल सूचियों पर काफी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जन. 08- दिसं. 08
मालसूची	मी.ट.	15	12	5	12
विक्री दिवसों की संख्या के बराबर मालसूची	दिवस	21	22	10	27

(ix) वृद्धि

47. विभिन्न मापदंडों में वृद्धि संबंधी सूचना निम्नांकित तालिका में दी गई है। यह देखा गया है कि मात्रा और कीमत दोनों मापदंडों की दृष्टि से वृद्धि ऋणात्मक रही है।

विवरण	इकाई	2005 -06	2006-07	2007-08	जांच अवधि
वृद्धि					
उत्पादन	%		(32.35)	3.60	(6.22)
घरेलू विक्री	%		0.64	(7.01)	(28.41)
माल सूची	%		(23.12)	(57.54)	139.24
विक्री कीमत/किग्रा.	%		(5.64)	8.14	14.34
लागत/किग्रा.	%		1.39	8.58	16.05
आर ओ आई	%		(13.51)	(0.80)	(2.32)

(ix) पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

48. याचिकाकर्ता ने यह तर्क दिया है कि वर्तमान गतिविधियों को देखते हुए जहाँ पिछले 5 से अधिक वर्षों से लगातार पाटन के कारण यह उत्पाद लगातार खराब निष्पादन कर रहा है, नया पूंजी निवेश जुटाने की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। यह नोट किया गया है कि

विचाराधीन उत्पाद का कंपनी के समग्र प्रचालनों में काफी महत्वपूर्ण हिस्सा है। अनंतिम रूप से यह माना जाता है कि उत्पाद के लगातार पाटन और उत्पाद में होने वाले वित्तीय घटाएं के कारण घरेलू उद्योग की पूँज निवेश जुटाने की क्षमता निश्चित रूप से बुरी तरह प्रभावित होगी।

(x) पाटन तथा पाटन मार्जिन का स्तर

49. प्रतिवादी निर्यातकों और असहयोगी निर्यातकों के संबंध में ऊपर निर्धारित पाटत मार्जिन काफी अधिक है और निर्धारित न्यूनतम स्तर से अधिक है।

(xi) गंवाई गई बिक्रियां

50. घरेलू उद्योग ने विभिन्न उपभोक्ताओं की ओर से गंवाए गए ऑर्डरों की विभिन्न घटनाओं के बारे में बताया है जिन्होंने कम कीमतों पर चीन की संबद्ध वस्तु की उपलब्धता का उल्लेख किया है।

इ. कारणात्मक संबंध

51. प्राधिकारी ने इस बात की जांच की है कि क्या पाटनरोधी नियमावली में सूचीबद्ध अन्य कारकों के घरेलू उद्योग को हुई क्षति में योगदान दिये जाने की संभावना है। इस जांच में निम्नानुसार पाया गया था :-

(i) तीसरे देशों से आयात

52. प्रधिकारी ने आई बी आई एस से संबद्ध वस्तु के सौदावार आयात आंकड़ों को प्राप्त किया है। रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना के अनुसार प्राधिकारी नोट करते हैं कि अन्य देशों से संबद्ध वस्तु के कोई खास आयात नहीं हुए थे।

(ii) मांग में संकुचन

53. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु की मांग में क्षति अवधि के दौरान काफी सुधार प्रदर्शित हुआ है। मांग में संभावित संकुचन के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती है।

(iii) खपत की प्रवृत्ति में परिवर्तन

54. विचाराधीन उत्पाद के संबंध में खपत की प्रवृत्ति में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है और न ही इस संबंध में कोई महत्वपूर्ण आरोप लगाया गया है। अब तक हुई जांच से वैकल्पिक प्रतिस्पर्धी उत्पादों की मौजूदगी का पता चला है और संभावित क्षति ऐसे वैकल्पिक उत्पादों के कारण हो रही है।

(iv) व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं और विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा

55. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध उत्पाद के लिए केवल एक बाजार है जहां चीन से पाटिल आयात घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति की गई संबद्ध वस्तु से सीधे प्रतिस्पर्धा करते हैं। यह नोट किया गया है कि आयातित संबद्ध वस्तु और घरेलू रूप से उत्पादित वस्तु समान सस्तुएं हैं और इनका उपयोग समान अनुप्रयोगों/अंतिम प्रयोगों में किया जाता है। व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाओं और विदेशी उत्पादकों तथा घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा का ऐसा कोई साक्ष्य नहीं मिला है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो।

(v) प्रौद्योगिकी में विकास

56. प्रौद्योगिकी में विकास का कोई आरोप नहीं लगाया गया है और न ही अब तक हुई जांच से ऐसा प्रदर्शित हुआ है कि घरेलू उद्योग को हुई संभावित क्षति प्रौद्योगिकी में विकास के कारण हो सकती हो।

(vi) निर्यात निष्पादन

57. याचिकाकर्ता भारी मात्रा में निर्यात करता है। तथापि, प्राधिकारी ने केवल घरेलू प्रचालनों और घरेलू लाभप्रदता पर विचार किया है। इसके अलावा, अनंतिम रूप से यह निर्धारित किया है कि जांच अवधि के दौरान प्रति इकाई निर्यात कीमत घरेलू बिक्री कीमत से 17% अधिक रही थी।

(vii) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

58. घरेलू उद्योग की उत्पादकता में कोई वास्तविक परिवर्तन नहीं हुआ है। उत्पादकता में किसी संभावित कमी के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती है।

पाटित आयातों का प्रभाव

59. प्राधिकारी नोट करते हैं कि निम्नलिखित मापदंड यह दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग को हुई वास्तवित क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है।

(क) संबद्ध देश से पाटित आयातों में क्षति अवधि के दौरान भारी वृद्धि हुई है। इसके परिणामस्वरूप पाटित आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है और घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है। इस प्रकार अनंतिम रूप से यह माना गया है कि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में आई गिरावट प्रत्यक्ष रूप से पाटित आयातों की मात्रा और बाजार हिस्से में हुई वृद्धि के कारण आई है।

(ख) संबद्ध देश से पाटित आयात के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में कमी आई है। यद्यपि, घरेलू उद्योग ने अपनी बिक्री कीमत को पहुंच कीमत के बराबर करने का प्रयास किया है, तथापि, वह अपनी कीमतों को उत्पादन लागत में हुई वृद्धि के अनुपात में बढ़ाने में सक्षम नहीं रहा है। इस प्रकार अनंतिम रूप से यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग द्वारा महसूस की गई कीमत में कमी चीन जन.गण. से पाटित आयातों की कम कीमतों के कारण हुई है।

(ग) इस प्रकार यह नोट किया जाता है कि लागत में वृद्धि के अनुपात में कीमतों में वृद्धि करने में घरेलू उद्योग की अक्षमता का कारण बाजार में पाटित आयातों की मौजूदगी रहा था, जिसके परिणामस्वरूप उसके लाभ, निवेश पर आय और नकद लाभ में गिरावट आई है। इस प्रकार लाभ, निवेश पर आय और नकद लाभ में आई कमी के लिए अनंतिम रूप से संबद्ध देश से पाटित आयातों की मौजूदगी को जिम्मेदार ठहराया गया है।

पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन का स्तर

60. पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन के स्तर को अनंतिम रूप से निम्नानुसार निर्धारित किया गया है। इस प्रकार अनंतिम रूप से यह नोट किया जाता है कि इन स्तरों को काफी अधिक माना गया है।

	इकाई	बाईहुई	यिंघाई	अन्य
पाटन मार्जिन	अम.डॉ./ किग्रा.	****	****	****
पाटन मार्जिन	%	3.46	9.23	28.14
निवल बिक्री कीमत	रु./किग्रा.	****	****	****
परिवर्तित दर	रु./अम.डॉ	43.46	43.46	43.46
निवल बिक्री कीमत	अम.डॉ./ किग्रा.	****	****	****

क्षति मार्जिन	अम. डॉ./ किंग्रा.	****	****	****
क्षति मार्जिन	%	2- 5%	4-8%	20-25%

क्षति तथा कारणात्मक संबंध से संबंधित निष्कर्ष

61. चीन जन.गण. से पाटित आयातों की मात्रा में समग्र स्तर पर और भारत में संबद्ध वस्तु की मांग के संबंध में भी भारी वृद्धि हुई है। यह नोट किया गया है कि पाटित आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है और घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई है। संबद्ध देश से पाटन मार्जिन को अनंतिम रूप से निर्धारित किया गया है और उसे अत्यधिक माना गया है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्री मात्राओं और क्षमता उपयोग में गिरावट आई है और घरेलू उद्योग की मालसूची में वृद्धि हुई है। इस प्रकार संबद्ध देश से पाटित आयातों में प्रतिकूल मात्रात्मक प्रभाव प्रदर्शित होता है। यह भी नोट किया गया है कि पाटित आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती की जा रही थी। यद्यपि, कटौती मार्जिन कुछ खास नहीं रहा है। अनंतिम रूप से यह माना जा सकता है कि घरेलू उद्योग अपनी बिक्री कीमतों को चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के आयातों की पहुंच कीमत के निकट लाने का प्रयास कर रहा था। इसके अलावा, यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग उत्पादन लागत में हुई वृद्धि के अनुपात में अपनी कीमतों में वृद्धि करने में सक्षम नहीं रहा है और घरेलू उद्योग को अपने उत्पाद को क्षतिरहित कीमत से कम कीमत पर बेचने के लिए बाध्य होना पड़ा है। इस प्रकार कम कीमत पर बिक्री और कीमत ह्रास के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को लाभ, निवेश पर आय और नकद लाभों में भारी गिरावट का सामना करना पड़ा है। इस प्रकार अनंतिम रूप से यह निर्धारित किया जाता है कि पाटित आयातों के कारण कम कीमत पर बिक्री और कीमत ह्रास की दृष्टि से काफी प्रतिकूल कीमत संबंधी प्रभाव पड़ा है जिसके चलते लाभ, निवेश पर आय और नकद लाभों में भारी विकृति आई है।

62. अतः प्राधिकारी अंतिम रूप से यह मानते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति संबद्ध देश से हुए पाटित आयातों के कारण हुई है।

ज. निष्कर्ष:

63. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों और उनमें उठाए गए मुद्दों की जांच करने के बाद; और रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों में विचार करने के पश्चात प्राधिकारी अनंतिम रूप से इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि;

(क) संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद का भारत में निर्यात सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है।

(ख) संबद्ध देश से संबद्ध आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति उठानी पड़ी है।

(ग) यह वास्तविक क्षति संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण हुई है।

झ. भारतीय उद्योग के हित तथा अन्य मुद्दे

64. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य सामान्यतः पाटन की अनुचित व्यापार पद्धतियों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को बहाल किया जा सके, जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय लागू करने से संबद्ध देशों से आयातों पर किसी प्रकार का प्रतिबंध नहीं लगेगा; अतः उपभोक्ताओं के लिए उन उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

65. यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्भित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं और परिणामतः इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, पाटनरोधी उपायों द्वारा भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं आएगी खासकर तब जबकि पाटनरोधी शुल्क की राशि को घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए आवश्यक राशि तक सीमित रखा जाएगा। इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन के व्यवहार द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का ह्रास रुकेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी।

ट.सिफारिशें

66. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरूआत कर उसकी सूचना सभी हितबद्ध पक्षकारों को दी गई थी। निर्यातकों, आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के पहलुओं के बारे में सूचना प्रदान करने का पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। पाटनरोधी नियमों के अनुसार पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के बारे में प्रारंभिक जांच शुरू करने के बाद तथा सकारात्मक पाटन मार्जिन एवं ऐसे पाटित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति की अनंतिम रूप से सकारात्मक पुष्टि करने के बाद प्राधिकारी का यह मत है कि जांच पूरी होने तक पाटन एवं क्षति को समाप्त करने के लिए अनंतिम शुल्क लगाया जाना अपेक्षित है। अतः प्राधिकारी यह आवश्यक समझते हैं और संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों पर नीचे उल्लिखित प्रक्रिया और तरीके से अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं।

प्राधिकारी द्वारा अपनाए जाने वाले कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन जो भी कम हो, के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार चीन जन.गण. के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से निम्नलिखित तालिका के कालम 8 में उल्लिखित राशि और पहुंच मूल्य के बीच के अंतर के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

क्र. सं.	उप-शीर्ष	वस्तु विवरण	उद्गम का देश	नियंत का देश	उत्पादक	नियंतक	राशि	माप की इकाई	मुद्रा
-1	-2	-3	-4	-5	-6	-7	-8	-9	-10
1	2932.21	सभी प्रकार के कुमेरिन	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	विंधाई (कांगड़ू) एरोमा कैमिकल कं. लि.	विंधाई (कांगड़ू) एरोमा कैमिकल कं. लि.	14.02	कि.ग्रा.	अम. डा.
2	- वही -	- वही -	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	मै.जियानगिन बाईहुई फ्रेगरेंस कं. लि.	मै.जियानगिन बाईहुई फ्रेगरेंस कं. लि.	14.02	कि.ग्रा.	अम. डा.
3	- वही -	- वही -	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	उत्पादक तथा नियंतक के उपरोक्त क्र. सं. 1 तथा 2 से इतर अन्य कोई संयोजन		14.02	कि.ग्रा.	अम. डा.
4	- वही -	- वही -	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. से इतर अन्य कोई देश	कोई	कोई	14.02	कि.ग्रा.	अम. डा.
5	- वही -	- वही -	चीन जन.गण. से इतर अन्य कोई देश	चीन जन.गण.	कोई	कोई	14.02	कि.ग्रा.	अम. डा.

इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच मूल्य सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के अंतर्गत सीमाशुल्क द्वारा यथानिर्धारित आकलन योग्य मूल्य होगा और सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3 , 8 1, 9 और 9 के अंतर्गत लागू शुल्कों को छोड़कर सीमाशुल्क के सभी शुल्क होंगे ।

ठ. आगे की प्रक्रिया

67. प्रारंभिक जांच परिणामों को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी:-

- (क) प्राधिकारी समस्त हितबद्ध पार्टियों से इन जांच परिणामों पर टिप्पणियां आमंत्रित करेंगे और उन पर अंतिम जांच परिणामों में विचार किया जाएगा;
- (ख) प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों, आयातकों, आवेदक और संबंधित समझे जाने वाले अन्य हितबद्ध पक्षकारों को अलग से लिखा जा रहा है, जो इन प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रेषण की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी इस जांच परिणाम के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकता है।
- (ग) प्राधिकारी विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के विचारों को मौखिक रूप से सुनने के लिए एक सुनवाई आयोजित करेंगे।
- (घ) प्राधिकारी द्वारा आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे और सत्यापन किया जाएगा;
- (ङ) प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी नियमों के अनुसार अंतिम जांच परिणाम घोषित करने से पूर्व अनिवार्य तथ्यों का प्रकटन किया जाएगा।

पी. के. चौधरी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th January, 2010

PRELIMINARY FINDINGS

Subject : Anti-dumping Investigation concerning import of Coumarin originating in or exported from China PR.

F. No. 14/17/2009-DGAD.—Having regard to Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules thereof, as amended from time to time (hereinafter referred to as the AD rules).

A. PROCEDURE

2. The procedure described below has been followed.
 - (i) The Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), under the above Rules, received a written application from M/s. Atlas Fine Chemicals Pvt. Limited, Nasik, Maharashtra on behalf of the domestic industry, alleging dumping of Coumarin of all types (hereinafter also referred to as the subject goods); originating in or exported from China PR (hereinafter referred to as subject country).
 - (ii) Preliminary scrutiny of the application revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the Applicant. The application was, therefore, considered as properly documented.
 - (iii) The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the Applicant to justify initiation of the investigation, decided to initiate the investigation against imports of the subject goods from the subject country. The Authority notified the Embassy of the subject country in India about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-Rule 5(5) of the AD Rules.
 - (iv) The Authority issued a public notice dated 10th July 2009 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods.
 - (v) The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known exporters (whose details were made available by the Applicant) and industry associations and gave them opportunity to make their views known in writing in accordance with the Rule 6(2) of the AD Rules.
 - (vi) The Authority also forwarded a copy of the public notice to all the known importers of the subject goods in India and advised them to make their views in writing within forty days from the date of the letter.
 - (vii) A request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of the subject goods made in India during the past three years and the period of investigation. The information received from DGCI&S was analyzed and the same was compared with the information received from the IBIS (secondary sources). After the detailed examination, it was decided to take into account the information from IBIS as it had reported higher volumes.
 - (viii) The Authority provided a copy of the non-confidential version of application to the known exporters and the Embassy of the subject country in India in accordance with Rule 6(3) of the AD Rules. A copy of the Application was also provided to other interested parties, wherever requested.
 - (ix) The Authority sent questionnaires to elicit relevant information to the following known exporters in subject country in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:

1. Tianjin City No. 3 Chemical Reagent factory, Xuzhuangzixiang, Dongli District , Tianjin – 300 240.
2. Nanjing Huafa Chemical Co. Ltd. Meishan, Zhonghuamenwai, Jiangning County , Nanjing City Jiangsu – 210 039.
3. Changzhou No. 2 Chemical Plant, 16, Changqi Rd., Qishuyan, Changzhou City, Jiangsu – 213 003.
4. Doumen County Baishifa, Chemical Factory Co., Ltd Doumen Town, Doumen County, Zhuhai City, Guangdong – 519.

x. In response to the initiation notification, the following exporters / producers from China have responded:

(a) Yinghai (Cangzhou) Aroma Chemical Co., Ltd.

(b) M/s Jiangyin Baihui Fragrance Co. Ltd.

xi. Questionnaires were sent to the following known importers / users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:

1. Padmini Products.
2. Eastern Enterprises.
3. Indira Agencies
4. Vinarom Pvt. Ltd.
5. Bharat Industrial Corporation.
6. Floral Frag. Pvt. Tld.
7. Eastern Agencies.
8. PBS Fragrances.
9. Primal Mandir.
10. Tushar enterprises
11. Karnataka Soaps & Chem.
12. Kvar Fragrances Pvt. Ltd.
13. Gopal Enterprises.
14. Vasu Agarbatti.
15. Gupta & Co.
16. Shalimar Agarbatti
17. Overseas Impex.
18. Associate Elite Chemicals Industries
19. Sache Aromatics
20. Mahale Impex

xii. None of the importers or consumers have filed questionnaire response.

xiii. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties. Information provided by interested parties on

confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.

xiv. Information was sought from the applicant and other domestic producers also. The Non-injurious Price based on the cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) has been worked out so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry;

xv. Investigation was carried out for the period starting from 1st January 2008 to 31st Dec 2008 (POI). The examination of trends, in the context of injury analysis, covered the period from 2005-06, 2006-07, 2007-08, and POI.

xvi. *** in this notification represents information furnished by interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the AD Rules.

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND DOMESTIC LIKE ARTICLE

B.1

Product under consideration

3. The product under consideration in the present investigation is Coumarin of all types (hereinafter referred as "subject goods"). Coumarin (Chemical Formulae C₉H₆O₂) belongs to the lactone family of chemicals. It is an aroma chemical, which can be in the form of white crystals, flake or powder. It has characteristic odour of newly mown hay and bittersweet somewhat similar to vanilla. Coumarin is used in the preparation of fragrance compounds and those fragrance compounds are used in the production of soaps, detergents, cosmetics, incense sticks, and fine fragrances. It imparts pleasant fragrance and masks unpleasant odors in many other household and industrial products. Coumarin, which was originally a natural product obtained from Tonka beans is now produced synthetically. It can be obtained by two synthetic processes i.e. (i) Starting from phenol to obtain Salicylaldehyde followed by Perkin reaction and (ii) Starting from Ortho-cresol which is also called Raschig method in which Salicylaldehyde is made from Ortho-cresol and then converted into Coumarin. In both the processes Salicylaldehyde and Acetic Anhydride react in the presence of Sodium Acetate in Acetic Acid as catalyst and crude Coumarin is separated from Acetic Acid by distillation. The crude Coumarin is further purified by several distillations and then crystallized in Methanol. The crystallized product is separated by centrifugation and dried. The main physical specification of Coumarin is its purity, for which the melting point is the indicator.

4. The product is classified under Chapter 29 (Organic Chemical) of the Customs Tariff Act under Customs Sub-heading No. 2932.21.00. However, customs classification is indicative in nature and not binding on the scope of the investigations.

B.2**Like Article**

5. With regard to like article, Rule 2(d) of the AD rules provides as under:

"like article " means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation.

6. The applicant claimed that there is no known difference in applicant's product and subject goods exported from the subject country and are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods and there is no significant difference in the subject goods produced by the applicant and those exported from the subject country and the both are technically and commercially substitutable. For the purpose of the present investigations, the goods produced by the domestic industry are being treated as like articles to the subject goods imported from the subject country in accordance with the AD Rules.

7. The available information at this stage does not show that there is any material difference in the domestic like article and imported subject goods. None of the responding parties have disputed the claim that the goods produced by the domestic industry are like article to the goods imported from China. Thus, subject goods produced by the domestic industry is being treated as like article to the subject goods imported from subject country in accordance with the AD rules for the purpose of the present investigation.

C. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY AND STANDING

8. Rule 2 (b) of the AD rules defines domestic industry as under:

"Domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in which case such producers may be deemed not to form part of domestic industry:

9. The application has been filed by M/s. Atlas Fine Chemicals Pvt. Limited as domestic industry. The applicant claimed that there were two other producers of the subject goods in India. However, both of them have closed their commercial production and accordingly the applicant accounts for 100% of the Indian production during the proposed Period of Investigation. None of the responding parties have disputed this claim.

10. The Authority holds that Atlas Fine Chemicals Pvt. Limited is the sole producer of the like article in India. The applicant has provided injury and costing information. The Authority has determined that the application satisfies the

requirements of Rule 2(b) and Rule 5(3) of the AD Rules. Further, M/s Atlas Fine Chemicals Pvt Ltd. is being treated as 'domestic industry' within the meaning of Rule 2(b) of the AD Rules.

D. DUMPING MARGIN

D.1 NORMAL VALUE

11. The Authority notes that in the past three years China PR has been treated as non-market economy country in the anti-dumping investigations by other WTO Members. Therefore, in terms of Para 8 (2) of the annexure 1 of AD rules, China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the above presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the above Rules for the purposes of preliminary determination.

12. As per Paragraph 8 of the Annexure I to the Anti Dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and prove to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China is required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-

- a. The decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- b. The production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- c. Such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
- d. The exchange rate conversions are carried out at the market rate.

13. The Authority notes that responding producers/exporters of the subject goods from China PR have submitted their questionnaire responses and market economy

questionnaire responses, consequent upon the initiation notice issued by the Authority and rebutted the non-market economy presumption. The questionnaire responses and the market economy responses of the responding producers and exporters have been examined for determination of normal value of the responding producers/exporter of the subject goods from the subject country as follows.

Only the following two producers/exporters from China PR have responded and filed their responses.

1. Jiangyin Baihui Fragrance Co. Ltd.
2. Yinghai (Cangzhou) Aroma chemical Co., Ltd.

Jiangyin Baihui Fragrance Co. Ltd.

14. M/s Jiangyin Baihui Fragrance Co. Ltd. China PR has filed a questionnaire response and MET response in this matter as a producer and exporter of the subject goods. From the questionnaire response it is noted that the subject producer and exporter has a substantial domestic sales and they have provided details of their sales to India as well as export sales to other countries. The response of the company was examined and a letter was issued to the company requesting for certain additional information/clarification from the company. In the said letter the responding company was asked inter alia to provide information on discrepancy in their reply regarding the date of the establishment of the company and business license. It had also been asked to substantiate and give details of the firms from where the producer and exporter is buying its raw materials as it was noted that lot of raw materials are being bought from the firms which are state owned enterprises. On the response to the exporter's questionnaire, it was also asked to explain the difference of profit as arrived at in various appendices. It was also informed to the exporter that raw material consumption as shown in the various appendices does not reconcile. The Authority notes that there are also significant issues relating to the exporters questionnaire, which needs detailed examination and verification.

15. Pending examination of the above issues including ownership and control, its impact on the cost and prices and business decisions of the company, and verification of the same, the Authority is of the view that this producer- exporter from China PR cannot be granted market economy status for the preliminary determination of its Normal Value.

Yinghai (Cangzhou) Aroma Chemical Co., Ltd.(Yinghai)

16. M/s Yonghai has filed a questionnaire response and MET response in this matter as a producer and exporter of the subject goods. From the questionnaire response it is noted that the subject producer and exporter has a substantial domestic sales and they have also provided details of their sales to India as well as to other countries. The response of the company was examined and a letter was issued to the company requesting for certain additional information/clarification from the company. In the

said letter the responding company was asked inter alia to provide information on the fact that appendix 8 has not been given for POI as a whole in the prescribed form. Various other queries like difference in the raw material consumption in various appendices have been indicated to the exporter. Further, the exporter has also been asked to submit the basis of allocation of expenses between product under consideration and other products in their response.

With regard to the ownership, it was noted that the company was established in May 2005 as a joint venture with a Canada based company and in January 2008, it became a Canada based company. Further, it was mentioned that the company was taken over by Canada based company and during POI; Canada based company was holding all shares of the company. However, this contradicts with the MET questionnaire which says that as on 2008, the Chinese company still held 80% of the share.

17. Thus, as stated above, there are significant issues relating to market economy determination as well as in the response to the exporters questionnaire in respect of this exporter which requires further examination and verification. Therefore, pending further examination and verification of the claims made by the responding exporter and producer in respect of their market economy claims and individual treatment claims, for the purpose of the preliminary finding, the authority has provisionally estimated the normal value in China PR on the basis of Para-7 to Annexure-I to the Rules.

18. *In this connection Para 7 of Annexure I of the Rule provides that*

"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis if the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments."

19. The Authority had not indicated in the initiation notification any appropriate country for the purpose of establishing normal value. However, none of the interested parties have placed any material before the Authority to consider any country an appropriate market economy third country for the above purpose. However, the Authority invites comments from all the interested parties for the choice of appropriate market economy third country along with the reasons and the

list of the producers in such country for establishing normal value for the purpose of final determination.

20. Pending further examination of the issues, for the purpose of preliminary determination, the Authority proceeds to provisionally determine the normal value in China PR on a reasonable basis, in terms of second proviso of Para 7 of Annexure 1 to the Rules. Accordingly, the ex-works Normal Value of the product under consideration for all these exporters from China has been provisionally constructed based on facts available. The Normal Value has been constructed taking into account available international price of all the major inputs as are listed and conversion cost, and SGA expenses of the domestic industry have been adopted for determination of the normal value. After adding a reasonable profit margin of 5 %, constructed normal value for the subject goods for all exporters from China PR have been worked out.

D.2. DETERMINATION OF EXPORT PRICE FOR CHINA PR.

21. The Authority has determined the export price for other than responding exporters as per the facts available on record. The Authority has therefore provisionally determined the export price for all the non responding exporters/producers from China PR based on facts available on record. For the responding exporters, the export price has been provisionally determined after taking into account their prices to India given in their appendix wise information and all adjustments claimed by them. For other exporters, the Net export price has been adjusted for ocean freight, marine insurance, commission, inland freight, port expenses and bank commission, as per information provided by these exporters on provisional basis subject to verification after the provisional findings.

D.3. DETERMINATION OF DUMPING MARGIN

22. Considering the Normal value and the Export price as determined above, the dumping margin works out as follows:

	Unit	Baihui	Yinghai	Others
Normal value	US\$/KG	****	****	****
Net Export Price	US\$/KG	****	****	****
Dumping Margin	US\$/KG	****	****	****
Dumping Margin	%	3.46	9.23	28.14

23. The Authority notes that the dumping margin from China PR is significant and is more than the de-minimis limits prescribed.

E. INJURY

E.1. Submissions by the domestic industry

24. The domestic industry has argued that:

- (i) With the advent of increasing imports the performance deteriorated in terms of domestic sales, production, capacity utilization, productivity, inventories, market share, profits, return on investments, cash flow, etc.
- (ii) The demand of the product in the country shows a positive trend whereas sales of the domestic industry at the same time show a negative trend. As a result, market share of the domestic industry declined.
- (iii) Volume of dumped imports from China PR has increased very significantly in absolute terms over the injury period.
- (iv) Imports have increased significantly in relation to total imports, production and consumption in India.
- (v) As a result of increase in imports in absolute term and relative to production and consumption, share of the domestic industry has declined.
- (vi) Further, the export quantities of domestic industry shows continuous decrease indicating significant market share of dumped Chinese goods in the world markets.
- (vii) Weighted average import prices (after including basic customs duties) have been significantly below the net sales realization of the domestic industry, thus resulting in significant price undercutting.
- (viii) The customs duty and dumped CIF export price both triggered a substantial reduction in the landed price of imports. This had direct adverse impact on the domestic industry. Reduction in the landed price of imports prevented the Indian Producers from effecting legitimate price increases.
- (ix) The landed price of imports is significantly below the cost of production of the domestic industry. It would also be seen that imports have had significantly depressing effect on the prices of the domestic industry in the market.
- (x) The production, capacity utilization and sales of the domestic industry have declined both in absolute and relative term.
- (xi) The performance of the domestic industry for product as consideration has deteriorated over the injury period and since 2006-07, the domestic industry is in significant losses.
- (xii) Market share of the domestic industry has severely declined whereas that of imports has materially increased.
- (xiii) It would be seen that productivity of the domestic industry declined with decline in production.
- (xiv) ROI (NFA Basis) of the domestic industry has significantly deteriorated over the injury period. Similar is the situation of cash profit as well. This clearly shows the price depression and suppression effect of dumped imports from China PR that has resulted in significant losses to the domestic industry.
- (xv) There has been a considerable increase in the level of inventories indicating that even at the capacity utilization of 43% during the investigation period.
- (xvi) It would be seen that growth in terms of sales, production, capacity utilization, has been negative. The cash profits, profits, return on investment has also followed the same trend in the injury period.
- (xvii) The dumping margin from subject country is not only more than de-minimus but also very substantial. The impact of dumping on the domestic industry is significant and is gradually intensifying.

E.2. Response from other interested parties

25. It is noted that there are no responses from any other interested parties in this investigations.

E.3. Examination by the Authority

26. The Authority has taken note of submissions made by the interested parties. Annexure II of AD Rules provides for objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in domestic market for the like articles; and (b) the consequent impact on domestic producers of such products. While examining the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to price effect of dumped imports, the Authority is require to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increase which would have otherwise occurred to a significant degree.

27. As regards the impact of dumped imports on the domestic industry, para (iv) of Annexure-II of AD Rules states as under:-

"The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including natural and potential decline in sales, profits, output market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments."

28. A request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of the subject goods made in India during the past three years and the period of investigation. The information received from DGCI&S was analyzed and the same was compared with the information received from the IBIS (secondary sources). It was claimed by the domestic industry along with evidence that the subject goods had been imported from more than one tariff heads and hence information from IBIS should be taken into account as it has reported higher volumes. After the detailed examination, it was decided to take into account the information from IBIS as it had reported higher volumes.

The Authority has examined the injury parameters objectively taking into account the facts and arguments of the interested parties.

Import, Demand, Volumes and Market share:-

29. Demand of the product in the Country has been assessed as the sum of domestic sales of the domestic producers and imports from all sources.

Import particulars

30. It is noted that imports of the subject goods from subject country has increased significantly in absolute terms during the injury period. Further, the market share of subject country has increased significantly during the same period as shown in the table.

Particulars	Units	2005-06	2006-07	2007-08	POI
Imports	MT	188.25	194.10	219.50	251.36
China PR	MT	149.85	158.65	204.05	219.45
Other Countries	MT	38.40	35.45	15.45	31.91
Market share in Imports	%	100.00	100.00	100.00	100.00
China	%	79.60	81.74	92.96	87.31
Other Countries	%	20.40	18.26	7.04	12.69

Demand particulars

31. Demand for the product under consideration increased throughout the injury period and has grown by 17% during the injury period. Further, imports of the subject goods from subject country has increased in absolute terms during the same period. It is also noted that increase in dumped imports was more than the increase in demand.

Particulars	Units	2005-06	2006-07	2007-08	POI
Imports total	MT	188.25	194.10	219.50	251.36
Sales of Domestic Industry	MT	62.97	63.37	58.93	42.19
Demand	MT	251.22	257.47	278.43	293.55
Index demand		100	102.49	110.83	116.85

Imports in relation to various parameters

32. It is also noted that dumped imports of the product under consideration increased in relation to production of the like product in India during the injury period . Further this has also increased in relation to share in demand as well as sales of the petitioner.

Particulars	Units	2005-06	2006-07	2007-08	POI
Dumped imports in relation to					
Share in total imports	%	79.60	81.74	92.96	87.31
Share in Demand	%	59.65	61.62	73.29	74.76
Production in India	%	57.85	90.54	112.40	128.91
Sales of Petitioner	%	237.97	250.34	346.25	520.16

Market share of domestic industry

33. As a result of this increase of subject goods from subject country, the market share of the domestic industry declined during the injury period.

Particulars	Units	2005-06	2006-07	2007-08	POI
Market share in Demand	%				
Import from- China	%	59.65	61.62	73.29	74.76
Import from Other Countries	%	15.29	13.77	5.55	10.87
Sales of Domestic Industry	%	25.07	24.61	21.17	14.37

34. It is thus provisionally noted that demand for the product under consideration increased throughout the injury period and has grown by about by 17% during the injury period. Further, imports of the subject goods from subject country have increased in absolute terms during the same period. It is also noted that increase in

dumped imports was more than the increase in demand. It is also noted that imports increased in relation to imports of the product under consideration in India from various sources in general and from the subject country in particular. It is also noted that imports of the product under consideration increased in relation to production of the like product in India. Further, as a result of this increase of subject goods from subject country, the market share of the domestic industry declined during the injury period. Thus, it is provisionally determined that the domestic industry has suffered significantly on account of volume effect of dumped imports from subject country.

Price effect of imports

35. With regard to the effect of the dumped imports on prices, it has been examined whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. A comparison for product concerned was made between the landed value of exported product and the average selling price of the domestic industry for domestic market net of all rebates and taxes, at the same level of trade. The prices of the domestic industry were determined at the ex factory level. The CIF prices of the subject country concerned were adjusted for post importation applicable duties. This comparison showed that during the period of investigation, the subject goods originating in China were sold in the Indian market at prices which were lower than the domestic industry's prices. It is thus seen that imports were undercutting the domestic prices though the extent of undercutting is not considered significant during the POI.

Particulars	Units	2005-06	2006-07	2007-08	POI
Landed Value	Rs./KG	***	***	***	***
Net sales realization	Rs./KG	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	94	102	117
Price Undercutting	Rs./KG	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	23	88	38
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	% Range	10 to 15	1 to 5	10 to 15	1 to 5

36. The Authority has also examined price depression, price suppression and price underselling if any, suffered by the domestic industry on account of dumped imports from subject country. After examination, it is determined that the landed value of imports from subject country is significantly below the cost of production and non-injurious price of the domestic industry. The imports are thus resulting in price underselling being faced by the domestic industry. It is further noted that selling

prices of the domestic industry have increased during the injury period but this increase is much less than increase in the cost of production of domestic like product sold by the domestic industry resulting in price suppression.

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Jan.- Dec 08
Cost of Sales	Rs./kg	***	***	***	***
Trend	Index	100	101	110	128
Domestic selling price	Rs./kg	***	***	***	***
Trend	Index	100	94	102	117

37 It is thus provisionally determined that whereas the costs increased by 28%, the domestic industry could increase its selling prices only by 17%. It is thus noted that the dumped imports from subject country are preventing the domestic industry from effecting legitimate price increases. It is thus preliminarily concluded that the effect of dumped imports on the domestic industry has been adverse and significant.

Economic parameters of the domestic industry

38. Annexure II to the AD Rules requires that a determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of like product. The Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. An examination of performance of the domestic industry reveals that the domestic industry has suffered material injury. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed below.

(i) Production

39. It is seen that production by the domestic industry declined over the injury period. It is noted that whereas demand for the product increased by 17%, production declined by 35% during the injury period.

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Jan.- Dec 08
Capacity	MT	400	400	400	400
Production	MT	259	175	182	170
Trend	Indexed	100	68	70	66
Demand	MT	251	257	278	294
Trend	Indexed	100	102	111	117
Production in % of	%	103.11	68.06	65.20	57.99

demand					
--------	--	--	--	--	--

(ii) Capacity & capacity utilization

40. It is further noted that capacity & capacity utilization of the domestic industry moved as shown in the table below. It is seen that capacity installed by the company remained the same. It is also noted that petitioner is using the production capacities dedicatedly for the product under consideration. It was noted that whereas demand for the product increased during the injury period, decline in production led to decline in capacity utilization. It is also noted that decline in capacity utilization has moved in tandem with the decline in production. Thus, whereas demand for the product increased by 17%, capacity utilization declined by 34%.

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Jan.- Dec 08
Capacity	MT	400	400	400	400
Production	MT	259	175	182	170
Capacity Utilization	%	64.76	43.81	45.38	42.56
Trend	Indexed	100	68	70	66
Demand	MT	251	257	278	294
Trend	Indexed	100	102	111	117

(iii) Domestic sales

41. It is noted that domestic sales of the domestic industry declined significantly over the injury period. It is also noted that petitioner does not have any captive consumption. However, petitioner does have significant exports. The impact of dumping was therefore examined only with reference to domestic sales.

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Jan.- Dec 08
Domestic Sales	MT	63	63	59	42
Trend	Indexed	100	100	94	67
Demand	MT	251	257	278	294
Sales in % of demand	%	25.07	24.61	21.17	14.37
Change in					
➤ Domestic sales	MT		0	-4	-17
➤ Demand	MT		6	21	16

(iv) Profitability

42. The profitability of the domestic industry in respect of domestic like product has been examined only in respect of domestic sales. It is seen that profitability of the domestic industry for the subject goods has significantly deteriorated over the

injury period. The domestic industry is in significant losses since 2006-07. Further, the losses increased over the injury period.

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Jan - Dec 08
Cost of Sales	Rs./Kg	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	101	110	128
Net Sales Realization	Rs./Kg	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	94	102	117
Profit/Loss	Rs./Kg	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	(76)	(93)	(152)
Profit before tax	Rs. Lacs	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	(77)	(87)	(102)
Profit before interest	Rs. Lacs	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	(77)	(87)	(102)

(v) Employment and Wages

43. Employment with the domestic industry and wages paid were as follows

Productivity	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Jan 08-Dec 08
Employment	Nos.	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	84	72	67
Wages	Rs.Lacs	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	104	109	155

It is provisionally noted that employment has been adversely affected due to decline in domestic sales and production and continuing low capacity utilization.

(vi) Productivity

44. Productivity of the domestic industry was as follows

Productivity	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Jan 08-Dec 08
Productivity per	MT	4.54	3.65	4.43	4.48

employee					
Indexed	Trend	100	80	97	99

It is seen that productivity of the domestic industry was almost at similar levels during the injury period. Thus, this parameter is not considered relevant for assessing the injury of the domestic industry.

(vii) Return on investments and cash flow

45. The return on investment has been determined considering profit before interest and capital employed in the product. Impact on cash flow has been determined considering profit before depreciation but after interest cost. It is noted that return on capital employed and cash profits have significantly deteriorated over the injury period. It is also noted that the performance of the domestic industry with regard to profits and return on capital employed & cash profits moved in same direction and deteriorated adversely during the injury period.

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Jan-Dec 08
ROCE	%	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	(28)	(36)	(58)
Cash Profit	Rs.Lacs	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	(47)	(50)	(71)

(viii) Inventories

46. It is noted that there is significant increase in the level of inventories since 2006-07 to the POI though it has declined at an absolute level during the injury period. However, inventories equal to number of days sales have increased during the injury period. Further, the domestic industry has argued that in spite of 40% capacity utilization during the investigation period, the domestic industry was not able to sell the subject goods completely. The domestic industry further argued that despite existing level of demand where the domestic industry would have easily reached 100% plant utilization, imports at dumped prices have adversely impacted the production and inventories level with the domestic industry.

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Jan 08- Dec 08
Inventories	MT	15	12	5	12
Inventories equal to no. of days sales	Days	21	22	10	27

(ix) Growth

47. Information with respect to growth in various parameters is given in the table below. It is seen that growth in terms of both volume & price parameters is negative.

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI
Growth					
Production	%		(32.35)	3.60	(6.22)
Domestic sales	%		0.64	(7.01)	(28.41)
Inventory	%		(23.12)	(57.54)	139.24
Selling Price/KG	%		(5.64)	8.14	14.34
Cost/KG	%		1.39	8.58	16.05
ROI	%		(13.51)	(0.80)	(2.32)

(ix) Ability to raise capital investments

48. The Petitioner has argued that given the current state of affairs where running the product is consistently not performing well because of persistent dumping over last more than five years, substantial fresh investments cannot even be imagined. It is noted that the product under consideration forms a very significant part of the company's overall operations. It is provisionally held that continued dumping of the product and financial losses in the product are bound to adversely impact the ability of the domestic industry to raise capital investments.

(x) Level of dumping & dumping margin

49. The dumping margin established hereinabove in respect of responding exporters and non cooperative exporters are quite significant and above the de minimus level.

(xi) Lost sales

50. The domestic industry has submitted various instances of the orders lost by it from various customers who have cited availability of Chinese subject goods at lesser prices.

F. CAUSAL LINK

51. The Authority has examined whether other factors listed under the AD Rules could have contributed to injury to the domestic industry. It was found as follows.

(i) Imports from third countries.

52. The Authority has collected the transaction-wise imports data of the subject goods from IBIS. From the information available on record, the Authority notes that there are no significant imports of subject goods from other countries.

(ii) Contraction in demand

53. The Authority notes that the demand for the subject goods has shown significant improvement during the injury period. Possible contraction in demand could not have caused injury to the domestic industry.

(iii) Changes in the pattern of consumption

54. The pattern of consumption with regard to the product under consideration has not undergone any change, nor there is any quantified allegation in this regard. The investigation so far has not shown existence of alternate competing products and possible injury being caused by such alternate products.

(iv) Trade Restrictive practices of and competition between foreign and domestic producers

55. The Authority notes that there is a single market for the subject goods where dumped imports from China compete directly with the subject goods supplied by the domestic industry. It is noted that the imported subject goods and domestically produced goods are like articles and are used for similar applications/end uses. There is no evidence of trade restrictive practices of and competition between the foreign producers and domestic producers causing injury to the domestic industry.

(v) Developments in Technology

56. There is no allegation of developments in technology, nor the investigation so far has shown that possible injury to the domestic industry could have been caused by developments in technology.

(vi) Export performance

57. The petitioner has significant exports. However, the Authority has considered only domestic operations and domestic profitability. Further, it has been provisionally determined that per unit exports price during the POI was 17% higher than the domestic selling price.

(vii) Productivity of the Domestic Industry

58. There is no material change in productivity of the domestic industry. Possible decline in productivity cannot be the reason for the established injury to the domestic industry.

Effect of dumped imports

59. The Authority notes that the following parameters show that material injury to the domestic industry is due to dumped imports.

(a) The dumped imports from subject country have significantly increased over the injury period. Resultantly, market share of the domestic industry increased and the market share of the domestic industry declined. It is thus provisionally held that decline in market share of the domestic industry is directly due to increase in volume of dumped imports and its market share.

(b) Dumped imports from subject country is suppressing the prices of the domestic industry. As, the domestic industry has tried to align its selling prices close to the landed prices, it has been unable to increase its prices in proportion to the increase in the cost of production. It is thus provisionally noted that price suppression being felt by the domestic industry is due to lower prices of dumped imports from China PR.

(c) Thus, it is noted that inability of the domestic industry to increase prices in proportion to the cost increases due to presence of dumped imports in the market resulted in decline in profits, return on investment and cash profits. Thus, deterioration in profits, return on investment and cash profits is provisionally attributed to presence of dumped imports from subject country.

Level of dumping margin and injury margin

60. The level of dumping margins and injury margins as provisionally determined are mentioned below. It is thus provisionally noted that these levels are considered significant.

	Unit	Baihui	Yinghai	Others
Dumping Margin	US\$/KG	****	****	****
Dumping Margin	%	3.46	9.23	28.14

NIP	Rs./KG	****	****	****
Exchange Rate	Rs./US\$	42.46	43.46	43.46
NIP	US\$/KG	****	****	****
Injury Margin	US\$/KG	****	****	****
Injury Margin	%	2- 5%	4-8%	20-25%

G Conclusion on Injury and causation

61. There has been a significant increase in the volume of dumped imports from China PR at the absolute level and also in relation to demand of subject goods in India. It is noted that the market share of the dumped imports has increased and that of domestic industry has declined. The dumping margin from subject country has been provisionally determined and is considered significant. Further, production, sales volumes and capacity utilization of the domestic industry have declined and inventories with the domestic industry have increased. Thus, the dumped imports from subject country show adverse volume effect. It is also noted that the dumped imports were undercutting the prices of the domestic industry in the market though the undercutting margin is not significant. It could provisionally be assumed that the domestic industry was trying to match its selling pries close to the landed price of imports of subject goods from China PR. Further, it has been noted that, the domestic industry has not been able to increase its prices in proportion to the increase in the cost of production and the domestic industry has been forced to sell the product at prices much below non injurious price. Thus, as a result of price underselling and price suppression, the domestic industry has suffered significant decline in profits, return on investments and cash profits. Thus, it is provisionally determined that the dumped imports have had significant adverse price effect in terms of price underselling and price suppression which in turn lead to significant deterioration in profits, return on investments and cash profits.

62. The Authority therefore, provisionally holds that material injury to the domestic industry has been caused by the dumped imports from the subject country.

H. Conclusions:

63. After examining the submissions made by the interested parties and issues raised therein; and considering the facts available on record, the Authority provisionally concludes that:

- (a) The product under consideration has been exported to India from the subject country below Normal values.
- (b) The domestic industry has suffered material injury on account of subject imports from subject country.

(c) The material injury has been caused by the dumped imports of subject goods from the subject country.

I. Indian industry's interest & other issues

64. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way; and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

65. It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.

J. Recommendations

66. The Authority notes that the investigation was initiated and it was notified to all interested parties. Adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide information on the aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted a preliminary investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the AD Rules and having provisionally established positive dumping margins as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of provisional duty is required to offset dumping and injury, pending completion of the investigation. Therefore, the Authority considers it necessary and recommends imposition of provisional anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject country in the form and manner described hereunder.

Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duty equal to the lesser of the margin of dumping and the margin of 'injury', so as to remove the 'injury' to the domestic industry. Accordingly, the provisional antidumping duty equal to the difference between the amount indicated in Col 8 of the table below and the landed value is recommended to be imposed on all imports of subject goods originating in or exported from China PR from the date of the notification to be issued by the Central Government.

K. Duty Table

SI. No	Sub- heading	Description of goods	Count ry of origin	Count ry of export	Producer	Exporter	Amo unt	Unit of mea sure ment	Cure ncy	
-1	-2	-3	-4	-5	-6	-7	-8	-9	-10	
1	2932.21	Coumarin of all types	China PR	China PR	Yinghai (Cangzhou) Aroma chemical Co., Ltd.	Yinghai (Cangzh ou) Aroma chemica l Co., Ltd.	14.02	Kg.	US \$	
2	- do -	- do -	China PR	China PR	Jiangyin Baihui Fragrance Co. Ltd.	Jiangyin Baihui Fragran ce Co. Ltd.	14.02	Kg.	US \$	
3	- do -	- do -	China PR	China PR	Any combination of producer and exporter other than at S. No. 1 & 2 above			14.02	Kg.	US \$
4	- do -	- do -	China PR	Any countr y other than China PR	Any	Any	14.02	Kg.	US \$	
5	- do -	- do -	Any countr y other than China PR	China PR	Any	Any	14.02	Kg.	US \$	

Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

L. Further Procedure

67. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings: -

- (a) The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final findings;
- (b) Exporters, importers, the applicant and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the dispatch of the these Preliminary findings. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;
- (c) The Authority would hold a hearing to hear the views of various interested parties orally;
- (d) The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary;
- (e) The Authority would disclose essential facts as per the AD Rules before announcing final findings.

P. K. CHAUDHERY, Designated Authority